शकुनि का प्रवेश

प्र.१) रिक्त स्थानों की पुर्ती करें।

अ) हमेशा उनकी इच्छानुसार काम करूँगा।

आ) उनके सौभाग्य पर तुम्हें जलन नहीं होनी चाहिए।

इ) पांडवों ने किसी का कुछ बिगाड़ा नहीं है।

ई) युद्ध की तो बात ही न करो।

उ) जुए का खेल वैर-विशेष की जड़ होता है।

ऊ) चौरस का खेल कोई हमने तो ईजाद किया नहीं है।

ए) "राजन, सारे वंश का इससे नाश हो जाएगा।

ऐ) भाई विदुर! मुझे खेल का भय नहीं है।

ओ) पर दुर्योधन को विदुर से सलाह की बात पसंद नहीं आयी।

प्र.२) किसने किससे कहा वो लिखें।

अ) सदा अपने भाई. बंधुओं की इच्छा पर चलूँगा।
युधिष्ठिर ने अपने भाईयों से कहा।

आ) "बेटा! यो चिंतीत और उदास क्यो खडे हो?
शकुनि मामा ने दुर्योधन से पुछा।

इ) "मामा जी! आप ऐसा उपाय जानते है?"
दुर्योधनने शकुनि मामा से पुछा।

ई) "मुझे यह उपाय ठिक नहीं जच रहा है।"
धृतराष्ट्र ने दुर्योधन और शकुनि से कहा।

उ) तुम्हारे पास ऐश्वर्य कि कमी नहीं है।
धृतराष्ट्र ने दुर्योधन से कहा।

ऊ) इसलिए मन से क्रोध को एकबारगी निकाल दूँगा।
युधिष्ठिर ने अपने भाईयों से कहा।

ए) पांडवों ने किसी का कुछ बिगड़ा नहीं है।
मामा शकुनि ने दुर्योधन से कहा।

ऐ) तुम्हें कमी किस बात की है?
मामा शकुनि ने दुर्योधन से पुछा।

प्र.3) दिए गए वाक्यों में विराम चिन्ह डालकर फिरसे लिखें।
अ) दुर्योधन युधिष्ठिर को चौरस का बड़ा शौक है।
"दुर्योधन, युधिष्ठिर को चौरस का बड़ा शौक है।

आ) जब ऐसी बात है नो मामाजी हम इंद्रप्रस्थ पर चढ़ाई क्यों नही करते
"जब ऐसी बात है, नो मामाजी, हम इंद्रप्रस्थ पर चढ़ाई क्यों नही करते?"

इ) द्रोणाचार्य अश्वत्थामा तथा कर्ण जैसे महावीर तुम्हारें पक्ष में है।
द्रोणाचार्य, अश्वत्थामा तथा कर्ण जैसे महावीर तुम्हारें पक्ष में है।

ई) बेटा यों चिंतीत और उदास क्यों खड़े हो
"बेटा! यों चिंतीत और उदास क्यों खड़े हो?"

उ) बेटा दुर्योधन इस तरह मन छोटा मत करो।
बेटा दुर्योधन! इस तरह मन छोटा मत करो।

ऊ) मामा चारों भाईयों समेत युधिष्ठिर ठाट बाँट से राज कर रहा है
"मामा, चारों भाईयों समेत युधिष्ठिर ठाट-बाँट से राज कर रहा है।"

प्र.4) समानार्थी शब्द लिखें।
अ) संभावना - अनुमान
मनमुटाव - झगड़ा
संसार - जग
विपदा - कष्ट
बेचैन - अधीर
इर्ष्या - जलन
सलाह - राय
असीम - निस्सीम